वार्षिकप्रतिवेदन

सत्र - 2020-21

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन

राष्ट्रिय मूल्याङ्कन प्रत्यायन परिषद् द्वारा A श्रेणि में प्रत्यायित

एकलव्यपरिसर, अगरतला, त्रिपुरा

वार्षिकप्रतिवेदन - 2020-21

विश्व में संस्कृत ज्ञानागार को प्रकाशित करने के लिए भुवनभास्कर सदृश केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न राज्यों की भांति ही पूर्वोत्तर राज्यों में भी अनवरत संस्कृत का प्रचार-प्रसार हो, ऐसी अभिलाषा से त्रिपुराराज्यस्थ अगरतला में भगवती माँ त्रिपुरेश्वरी के करकमलों के सानिध्य में 4 जून, 2013 को एकलव्य परिसर का समुद्घाटन किया गया। इस परिसर में संस्कृत-शास्त्रीय विषयों (यथा - व्याकरण, साहित्य, अद्वैत-वेदान्त, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र) के अतिरिक्त आधुनिक (यथा - आंग्ल, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, शारीरिक-शिक्षा, संगणक एवं बांग्ला) विषयों में भी अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप से प्रचलित हो रहा है। मुक्तस्वाध्यायपीठद्वारा भी दूरस्थ-शिक्षा-प्रणाली से व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष विषयों में भी प्राक्शास्त्री से स्नातकोत्तरपर्यन्त अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से चल रहा है। वर्तमान सत्र 2020-21 में एकलव्य परिसर में सभी विभागों में कुल मिलाकर 307 छात्रों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में 17 शोधार्थी इस परिसर में शोधकार्य कर रहें हैं।

परिसर का स्वरूप

वर्तमान में एकलव्य परिसर अगरतला नगर में राधानगर नामक स्थान पर बुद्धमन्दिर के निकट पुरातन IASE भवन में चल रहा है, जो कि त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रदत्त है । लेम्बूछेरास्थ परिसर में नवीन बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास एवं अतिथि भवन का निर्माण सम्पन्न हुआ है तथा शैक्षणिक भवन निर्माणाधीन है।

परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन के मार्गनिर्देशन में एकलव्य परिसर के द्वारा इस सत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका वर्णन निम्नलिखित हैं -

परिसर में संचाल्यमान पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राकशास्त्री	02 वर्ष	बाहरवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
2.	शास्त्री	3 वर्ष (6 सत्रार्ध)	बी. ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी. एड.	--	
4.	आचार्य	2 वर्ष (4 सत्रार्ध)	एम. ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	
5.	विद्यावारिधि	2 वर्ष	पी.एच.डी.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र, शिक्षाशास्त्र	

नूतन सत्रारम्भ

ग्रीष्मावकाश के उपरान्त 18 जून, 2020 को वाग्देवी माँ सरस्वती की समर्चना से नूतन सत्र का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन सहित परिसर के प्राध्यापक एवं कार्यालयीय कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

प्रवेश (वर्ष 2020-21) मे परिसर से प्रवेशार्थी छात्रों/छात्राओं का ब्यौरा, संलग्न प्रोफोर्मा के अनुसार पुरुष एवं महिला छात्रों की संख्या अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछडी जाति, ई.ड्ब्लयु.एस, दिव्यांग/अन्य का कक्षावार ब्यौरा सहित-

क्र.सं	अनु. जाति		अनु.जनजाति		पिछ्डा वर्ग		सामान्य		ई.ड्ब्लयु.एस		दिव्यांग/अन्य		कुल	
प्राक् – शास्त्री - 1	1	1	2	10	0	2	2	2	0	0	0	0	5	15
प्राक् – शास्त्री - 2	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2
शास्त्री – 1	5	1	5	2	4	4	4	6	0	0	0	1	18	14
शास्त्री - 2	1	4	0	0	6	4	2	1	0	0	0	0	9	9
शास्त्री - 3	3	2	1	0	3	3	1	2	0	0	0	0	8	7
शिक्षाशास्त्री - 1	1	2	0	0	5	11	14	17	4	1	0	0	24	31
शिक्षाशास्त्री - 2	0	0	0	0	6	12	14	17	1	3	0	0	21	32
आचार्य - 1	10	9	2	4	9	19	12	13	0	0	0	0	33	45
आचार्य - 2	5	9	0	1	3	11	1	3	0	0	0	0	9	24
शिक्षा आचार्य - 1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
शिक्षा आचार्य - 2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विद्या वारिधि	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	27	30	10	17	36	66	50	61	5	4	0	1	128	179

अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस

अगरतलास्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 21 जून, 2020 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। मानव जीवन में योगाभ्यास की नितान्त आवश्यकता है तथा इसी योगाभ्यास के माध्यम से ही मनुष्य आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक शान्ति को प्राप्त करता है। इसी चिन्तन को परिलक्षित कर परिसर के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वास्थ्यवर्धक विभिन्न आसनों का अभ्यास स्वस्थान से किया गया। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन ने ऑनलाईन माध्यम से वर्तमान समय में योगाभ्यास का अत्यधिक महत्व बताते हुए अपने उद्बोधन में प्रतिदिन योगाभ्यास के लिए कुछ समय निकालने की प्रेरणा प्रदान की।

संस्कृत सप्ताह महोत्सव

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अगरतलास्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 01-07 अगस्त, 2020 तक ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए संस्कृत गीत-गायन, सुभाषित कण्ठपाठ, संस्कृत-भाषण इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। दिनांक : 01-08-2020 को परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन

के द्वारा संस्कृत सप्ताह महोत्सव का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात् 02-08-2020 को छात्रों के लिए संस्कृत गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक : 03-08-2020 को संस्कृत भाषण तथा सुभाषित कण्ठपाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया। दिनांक : 04-08-2020 को संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में **महामारीकाले संस्कृतशास्त्राणां लोकोपकारकत्वम्** इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में आचार्य गोपबन्धु मिश्र, कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात, मुख्यातिथि के रूप में आचार्य विष्णुपद महापात्र, लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, विशिष्टातिथि के रूप में आचार्य हरेकृष्ण महापात्र, पूर्वनिदेशक, श्रीसदाशिवपरिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी एवं सारस्वतातिथि के रूप में डॉ. तुलसी कुमार जोशी, चिन्मय विश्वविद्यालय, केरल ने उपस्थित होकर न्याय, वेदान्त, व्याकरणादि शास्त्रों में निहित लोकोपयोगी विषयों पर प्रकाश डाला। दिनांक 05-08-2020 को **ज्योतिषशास्त्रस्य लोकोपकारकत्वम्** इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में डॉ. रामकृष्ण पेजपत्ताय, सहाचार्य, चिन्मय विश्वविद्यालय, केरल, मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. अशोक थपलियाल, सहाचार्य, श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय ने उपस्थित होकर **वर्तमान काल में ज्योतिषशास्त्र की अध्ययनविधि** के विषय में स्वकीय उद्बोधन प्रदान किए। 06-08-2020 को **साम्प्रतिके युगे संस्कृतज्ञानां दायित्वम्** विषय पर आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में आचार्य बच्चा भारती, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, मुख्यातिथि के रूप में डॉ. भावप्रकाश, सर्वकारी विनयन वाणिज्य महाविद्यालय, गुर्जर प्रदेश, सारस्वतातिथि के रूप में डॉ. दीपकुमार, वेदव्यास परिसर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. अरुणकुमार, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला, हि.प्र. ने उपस्थित होकर स्वकीय व्याख्यानों से श्रोतागण को लाभान्वित किये। संस्कृत सप्ताह का सम्पूर्ति-समारोह 07-08-2020 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य के. ई. देवनाथन, पूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश की अध्यक्षता में, आचार्य श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, कविकुलगुरुकालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र के विशिष्टातिथ्य में तथा परिसर निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन के मार्गदर्शन में सुसम्पन्न हुआ। तीनों वक्ताओं ने त्रिपुरा राज्य में संस्कृतान्तर्गत शास्त्राध्ययन की पद्धति पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी, साहित्यविभागाध्यक्ष एवं संचालक डॉ. गणेश्वरनाथ झा, व्याकरणविभागाध्यक्ष थे।

शिक्षक दिवस

इस वर्ष शिक्षा-शास्त्र विभाग के द्वारा ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से 05-09-2020 को शिक्षक दिवस का पालन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती ने डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन के जीवन चरित्र को उद्घाटित करते हुए कहा की इनका जीवन अत्यन्त आदर्शमय रहा है। यद्यपि डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन अपने जीवन में अनेक उच्च पदों पर आरूढ़ रहें हैं तथापि शिक्षक के रूप में उन्होंने सदैव स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया है। इसलिए उनकी जन्मतिथि को सम्पूर्ण भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग के समस्त प्राध्यापकगण तथा छात्र उपस्थित रहे।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

परिसर में 15 अगस्त, 2020 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह सोत्साहपूर्वक पालन किया गया। प्रात: 8 बजे राष्ट्रध्वजारोहण करने के पश्चात् परिसर निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने अपने उद्बोधन में सम्बोधित करते हुए कहा कि महामारी काल में सरकार के नियमों का पालन करते हुए हम सभी को राष्ट्र सेवा एवं मानवता के प्रति तत्पर रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त प्राध्यापक तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रिय शिक्षा नीति परिसंवाद

परिसर में दिनांक 28 अगस्त, 2020 को प्रात: 11.00 बजे से ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से **राष्ट्रिय शिक्षा नीतौ संस्कृतम्** विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के सचिव पद्मश्री श्रीचमूकृष्ण शास्त्री ने उपस्थित होकर विविध राज्यों के पाठ्यक्रम में संस्कृत की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रिय शिक्षा नीति को लागू करने के पश्चात् संस्कृत के भविष्य की स्थिति, राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम का निर्माण एवं संस्कृत अध्येताओं की सहभागिता के साथ उनकी संख्या में अभिवृद्धि के उपाय इत्यादि विषयों पर स्वाभिमत उपस्थापित किये। इस परिसंवाद में परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन, समस्त अध्यापक एवं छात्रवृन्द उपस्थित थे। परिसंवाद के संयोजक प्रो. पवन कुमार आचार्य, शिक्षाविभाग थे। इस कार्यक्रम का संचालन व्याकरणविभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वर नाथ झा ने किया।

हिन्दी पखवाड़ा

प्रतिवर्ष की भांति राजभाषाविभाग के आदेशानुसार एकलव्य परिसर में 1 सितम्बर, 2020 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन की अध्यक्षता में तथा साहित्यविभागाध्यक्ष आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी के मुख्यातिथ्य में सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि महोदय ने हिन्दी की दशा एवं दिशा पर अपने विचार रखे। अध्यक्षीय भाषण में परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने बताया कि हिन्दी सम्पूर्ण भारत में आदान-प्रदान का माध्यम है, इसलिए हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। दिनांक 02.09.2020 को हिन्दी भाषा में देवनागरी लिपि एवं पाण्डुलिपि का महत्व पर बौद्धदर्शन विभाग के प्राध्यापक डॉ. उत्तम सिंह जी ने व्याख्यान दिया। इसके पश्चात् 03.09.2020 को कार्यालय के कर्मचारियों के लिए सम्पादक को हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार विषय पर पत्रलेखन प्रतियोगिता तथा दिनांक 04.09.2020 को टिप्पणी-लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 07.09.2020 को हिन्दी भाषा के विकास के सन्दर्भ में विचार विमर्श विषय पर उद्बोधन हुआ। जिसमें हिन्दी-पखवाड़ा के संयोजक हिन्दी प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत किये। दिनांक 09.09.2020 को छात्रों के लिए **राष्ट्रीय एकता में हिन्दी भाषा का महत्व** पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। दिनांक 10.09.2020 को ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल द्वारा **हिन्दी साहित्य में श्रीकृष्ण** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया तथा हिन्दी-पखवाड़ा समापन-समारोह 14.09.2020 को सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, हिन्दी सहायकाचार्य, श्री रंगलक्ष्मी आर्दश संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रतिभा गोस्वामी, प्रकाशन प्रशिक्षण एवं शोध अधिकारी, राज्य

हिन्दी संस्थान, उ.प्र., सारस्वतातिथि के रूप में श्री सन्दीप शर्मा, प्राचार्य, गोकुल मान्टेसरी वरिष्ट मा. विद्यालय, नेहरियां, हिमाचलप्रदेश, अध्यक्ष के रूप में प्रो. बच्चा भारती, कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनउ परिसर ने स्वकीय आशिवर्चन से श्रोतागण को लाभान्वित किया। व्याकरण विभाग के प्राध्यापक श्री विजय कुमार पयासी ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, हिन्दी प्राध्यापक के द्वारा किया गया। सभी कार्यक्रम ऑनलाईन (गूगल मीट) के माध्यम से सुचारू रूप से सम्पन्न हुए और सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र भी दिया गया और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, हिन्दी प्राध्यापक एवं समन्वयक डॉ. मनोज श्रीमाल, सहायकाचार्य, ज्योतिष विभाग थे।

शिक्षा-दिवस

11 नवम्बर, 2020 को एकलव्य परिसर में शिक्षाविभाग के द्वारा शिक्षा-दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में आचार्य रजनीकान्त शुक्ला, पूर्वसंकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्रविभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति ने स्ववक्तव्य में बताया की देश के प्रथम शिक्षामन्त्री डॉ. मौलाना अबुल कलाम आजाद का शिक्षा दर्शन तथा शिक्षा नीति बहुत ही व्यावहारिक रही है। डॉ. मौलाना स्वतन्त्रता के पश्चात् लगातार दश वर्षों तक शिक्षामन्त्री के रूप में अनेक शिक्षा संस्थाओं का निर्माण करते हुए भारत की शिक्षा-नीति को सुदृढ करने का प्रयास किया है। विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रेमशंकर श्रीवास्तव, प्राचार्य, शिक्षा विभाग, इकफाई विश्वविद्यालय, अगरतला ने कहा कि भारत के प्रथम शिक्षामन्त्री डॉ. अबुल कलाम आजाद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी संस्थाओं की स्थापना करने का कार्य किया एवं भारतीय शिक्षा नीति को व्यावहारिक एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र-विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती ने कहा कि डॉ. अबुल कलाम आजाद प्रसिद्ध शिक्षाविद्, दार्शनिक, पत्रकार एवं स्वतन्त्रता सैनानी थे। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्रविभाग के छात्राध्यापकों के लिए **डॉ. मौलाना अबुल कलाम आजाद के व्यक्तित्व** विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद महोदय का शिक्षा में योगदान पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री नन्ददुलाल मण्डल, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग के द्वारा किया गया।

सतर्कता सप्ताह

भारतसरकार के निर्देशानुसार परिसर में 27 अक्टूबर - 2 नवम्बर, 2020 तक सतर्कता सप्ताह का आयोजन किया गया। 27 अक्टूबर, 2020 को प्रात: 11.00 बजे परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने परिसर के सभी अध्यापकों से प्रतिज्ञा-वाचन करवाया। इसके पश्चात् छात्रों के लिए ऑनलाईन (गूगलमीट) माध्यम से निबन्ध-लेखन एवं भाषण-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को ई-प्रमाणपत्र वितरित किये गए। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ति-समारोह का आयोजन गूगलमीट माध्यम से किया गया, जिसमे डॉ. बाबूराम स्वामी, आंग्लभाषाविभागाध्यक्ष, एम. बी. बी.

कॉलेज, अगरतला ने मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित होकर सर्तकता के विषय में स्ववक्तव्य प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य पवन कुमार, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं संयोजन डॉ. सुमन आचार्जी, आधुनिकविभागाध्यक्ष के द्वारा किया गया।

संविधान दिवस

मुख्यालय के निर्देशानुसार परिसर में दिनांक 26.11.2020 को एकलव्य परिसर, अगरतला में संविधान दिवस मनाया गया। जिसके अन्तर्गत प्रात: 11.00 बजे ऑनलाईन गूगलमीट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा प्रदत्त संविधान के उद्देशिका वाचन में समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रगण उपस्थित थे। इसी दिन अपराह्न 3.00 बजे संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रो. बच्चा भारती, शिक्षाशास्त्रविभागाध्यक्ष, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. चन्द्रिका बसु मजुमदार, जी. कला एवं वाणिज्यसंकायाध्यक्ष, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. योगेन्द्र दीक्षित, संविदाध्यापक, राजनीति विज्ञान, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणवीरपरिसर, जम्मू उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में छात्रों हेतु दिनांक 25.11.2020 को भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रीकर जी. एन. सहायकाचार्य, वेदान्तविभाग रहे।

गणतन्त्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2020 को एकलव्य परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन सोत्साहपूर्वक किया गया। प्रात: 08.00 बजे परिसर निदेशक रणजित् कुमार बर्मन ने राष्ट्रध्वजारोहण करते हुए स्वतन्त्रता संग्राम में वीरगति को प्राप्त किये देशभक्तों को स्मरण कर उन्हें श्रद्धाञ्जलि समर्पित की। इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

मातृभाषा दिवस

दिनांक 21.02.2021 को अन्ताराष्ट्रिय मातृभाषादिवस का आयोजन किया गया, जिसके उपलक्ष्य में राज्यसरकार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें परिसर के समस्त अध्यापक, कतिपय छात्रवृन्द एवं प्रभारी निदेशक डॉ. बच्चा भारती ने अपनी सहभागिता प्रदर्शित की। शोभायात्रा में संस्कृत भाषा से सम्बन्धित विभिन्न सुक्तियों को प्रदर्शित करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व को उद्घोषित किया। तदुपरान्त परिसर के सदस्यों ने शतवार्षिकी रवीन्द्र भवन, अगरतला में त्रिपुराराज्य के मुख्यमंत्री श्री बिप्लवदेव जी की अध्यक्षता में आयोजित मातृभाषा उत्सव में भागग्रहण किया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, संस्थाओं के गणमान्य अतिथि एवं छात्र भी समुपस्थित थे। इस कार्यक्रम में परिसर के दो छात्रों के द्वारा संस्कृतभाषा में प्रेक्षकों को सम्बोधित भी किया। तदुपरान्त ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रिय संगोष्ठी का

आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बच्चा भारती, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. पवन कुमार, परीक्षा नियन्त्रक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. मदनमोहन पाठक, ज्योतिषविभागाध्यक्ष, लखनउ परिसर, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. तुलसीकुमार जोशी, वेदान्त विभाग, चिन्मयविद्यापीठ, डॉ. विश्वनाथ हेगडे, वेदान्तविभाग, श्री राजीवगान्धीपरिसर, श्रृंगेरी उपस्थित थे। इन्होंने क्षेत्रीयभाषा के विकास पर अत्यन्त ही सारगर्भित एवं वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान दिया। सारस्वतातिथि के रूप में एकलव्य परिसर के साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी भी उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम डॉ. गणेश्वरनाथ झा, व्याकरणविभागाध्यक्ष एवं डॉ ब्रह्मानन्द मिश्र, ज्योतिषविभागाध्यक्ष के संयोजकत्व तथा श्री बि. वि. लक्ष्मीनारायण, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग के सहसंयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

भाषाबोधन वर्ग

परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा 24.03.2021 से 20.04.2021 तक नवागत छात्रों के लिए भाषा बोधन वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें विभागीय सभी अध्यापकों ने अध्यापन कार्य किया। यह बोधन वर्ग श्री नन्ददुलाल मण्डल, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग एवं श्री अनुप विश्वास, सहायकाचार्य, शिक्षाशात्रविभाग के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

परिसर की विभिन्न उपलब्धियाँ

1. वर्ष २०२० में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किये छात्र -
   - प्राक्शास्त्री - सञ्जना रॉय
   - शास्त्री - स्वस्तिका शर्मा
   - आचार्य - शैली चक्रवर्ती
   - शिक्षाशास्त्री - जगदीश नन्दा
2. परिसर के शिक्षा-शास्त्र द्वितीयवर्ष की छात्रा मम्पी दास **NET** परीक्षा में उत्तीर्ण हुई।
3. चिन्मय विश्वविद्यालय द्वारा शंकर विजयोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में परिसर के व्याकरण विभाग, आचार्य प्रथमवर्ष की छात्रा श्रुतिशिखा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
4. गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा संस्कृत सप्ताह महोत्सव के उपलक्ष्य में ऑनलाईन माध्यम से आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता में परिसर के व्याकरण विभाग, आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र गोपालकृष्ण दास ने प्रथम स्थान कालीप्रसाद आचार्य ने द्वितीय स्थान तथा श्रुतिशिखा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
5. 'जनसंचारमाध्यमेन प्रतियोगितया संस्कृतशिक्षणम्' आमुखपटल पर आयोजित संस्कृतज्ञानवर्धक जीवन्तप्रश्नोत्तरीप्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग, शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
6. संस्कृतरसास्वाद संस्था, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

7. संस्कृतरसास्वाद विश्वहितायसंस्कृतम् द्वारा आयोजित संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

स्थानान्तरण

1. शिक्षाशास्त्रविभाग के प्राध्यापक आचार्य पवन कुमार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के पद पर नियुक्त होकर दिल्ली के लिए स्थानान्तरित हुए।
2. शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. वृन्दावन पात्र आचार्य के रूप में प्रोन्नति प्राप्त कर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिवपरिसर के लिए स्थानान्तरित हुए।

इस प्रकार यह कहते हुए हमें अत्यन्त हर्ष एवं गौरव का अनुभव हो रहा है की इस सत्र में संस्कृत एवं संस्कृति सम्बद्ध अनेक कार्यक्रमों का सञ्चालन करते हुए एकलव्य परिसर प्रगतिपथ पर अग्रसर हो रहा है।

इति शम्।